

क्र. संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विषय का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	निर्धारित स्थान/सीट	योग्यता
1.	शास्त्री	धर्मशास्त्र	3 वर्ष	50 (प्रति विषय)	विशारद/ 10+2/ समकक्ष

➤ भविष्य में रोजगार के अवसर –

1. प्रशासनिक सेवाओं में अवसर ।
2. न्याय सलाहकार के रूप में रोजगार का अवसर ।
3. धर्म के प्रचार-प्रसार एवं संस्कृति के प्रचारार्थ विभिन्न संस्थाओं में अवसर ।
4. टी.जी.टी., पी.जी.टी. अध्यापक तथा भारतीय सेना में धर्मगुरु (J.C.O.) बनने का अवसर ।
5. पारम्परिक संस्कृत गुरुकुलों/ संस्कृत महाविद्यालयों में व्याकरण आचार्य के पद पर कार्य करने का अवसर ।
6. धर्मशास्त्र से संबन्धित स्वतन्त्र संस्थाओं में निदेशक के रूप में कार्य करने का अवसर ।
7. सनातन सभ्यता और देश-विदेश में धर्मशास्त्र से सम्बन्धित विभागों में कार्य का अवसर ।
8. शास्त्री के बाद आचार्य, नेट एवं पीएच्. डी. करके महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों में सहायक आचार्य (Assistant Professor) बनने का अवसर ।